भारत की 10 वर्षीय कॉफी विकास योजना

स्रोत: द हिंदू

भारतीय कॉफी बोर्ड ने वर्ष 2034 तक देश के कॉफी उत्पादन और निर्यात को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ 10-वर्षीय रोडमैप लॉन्च किया है।

- **10-वर्षीय कॉफी विकास योजना की मुख्य विशेषताएँ:** कॉफी बोर्ड ने उत्पादकों को समर्थन देने और बाज़ार में उपस्थिति बढ़ाने के लिये **100** किसान उत्पादक संगठन (FPO) स्थापित करने की योजना बनाई है।
    - इस योजना का उद्देश्य **निर्यात के लिये विशेष कॉफी** उगाने हेतु **10,000 छोटे** किसानों की पहचान करना है, ताकि वे प्रीमियम मूल्यों पर कॉफी बेच सकें।
    - इसका उद्देश्य **10,000 कॉफी कियोस्क** स्थापित करना है, जिनका प्रबंधन ज्यादातर महिला उद्यमियों द्वारा किया जाएगा, ताकि **घरेलू कॉफी की खपत** को प्रति व्यक्ति 107 ग्राम से बढ़ाकर 250 ग्राम किया जा सके।
    - इसका लक्ष्य **वर्ष 2024-25 में कॉफी उत्पादन को 3.7 लाख टन** से लगभग तीन गुना बढ़ाकर **वर्ष 2047 तक 9 लाख टन** करना है।
- **भारत में कॉफी:** भारत में दो तरह की कॉफी पैदा होती है, **अरेबिका और रोबस्टा**, जिसमें कर्नाटक सबसे बड़ा उत्पादक है। 2022-2023 में, यह 8वाँ सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक बन गया। अगस्त 2024 तक, कॉफी निर्यात **1.19 बिलियन अमरीकी डॉलर** तक पहुँच गया।
- **भारतीय कॉफी बोर्ड:** यह **कॉफी अधिनियम, 1942** के तहत गठित एक **वैधानिक संगठन** है, और **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। इसका मुख्यालय **बंगलूरू** में है।

और पढ़ें: कॉफी उत्पादन में संभावित गिरावट